नवभारत
इंदौर, रविवार, 15 फरवरी, 2026

महाकाल की नगरी में महाशिवरात्रि का उल्लास, देश-विदेश से उमड़ेंगे लाखों श्रद्धालु

- श्रद्धालुओं के लिए 10 बस निशुल्क चलाई
- कर्कराज पार्किंग से मिलेगा श्रद्धालुओं को प्रवेश

नवभारत न्यूज

उज्जैन. आज महाशिवरात्रि का पावन पर्व है. विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल के मंदिर में देश-विदेश से आज लाखों श्रद्धालु उमड़ेंगे, जिला प्रशासन, मंदिर प्रशासन ने 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन को लेकर पूरे मंदिर परिसर में तैयारीया की है. सभी प्रकार के प्रोटोकॉल बंद कर दिए गए हैं. सिर्फ शीघ्र दर्शन टिकट और सामान्य दर्शन से ही बाबा महाकाल के दर्शन होंगे.

बारह ज्योतिर्लिंगों में एकमात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व हर्षोल्लास से मनाया जाएगा. लड्डू प्रसाद के लिए काउंटरों की संख्या बढ़ाई गई है. ऑनलाइन बुकिंग भी होटल की जारी है उज्जैन में शिवरात्रि के पहले से ही तीन लाख श्रद्धालु पहुंच गए हैं, होमस्टे धर्मशाला सब हाउसफुल है.

अफसरों ने झोंकी ताकत: उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक से लेकर एसपी प्रदीप शर्मा और संभाग आयुक्त आशीष सिंह से लेकर नवागत आईजी राकेश गुप्ता ने ताकत झोंक दी है. लगातार तीन दिनों से महाकाल मंदिर परिसर की मॉनीटरिंग की जा रही है. सुलभ दर्शन व्यवस्था और सुरक्षा जांची गई है. डॉग स्कॉड और बीडीएस की टीम भी लगातार मंदिर परिसर में अवलोकन कर जांच कर रही है.

आकर्षक रंगोली और पुष्प सज्जा: मंदिर परिसर को भव्य पुष्प सज्जा और आकर्षक रंगोली से अलंकृत किया गया है. गर्भगृह, नंदी मंडपम्, गणेश मंडपम्, कार्तिक मंडपम्, पालकी हॉल, अभिषेक स्थल एवं प्रथम तल के आसपास विशेष पुष्प सज्जा की गई है. मंदिर के विभिन्न हिस्सों में आकर्षक रंगोलियाँ बनाई गई हैं, जिससे पूरा परिसर आध्यात्मिक सौंदर्य से आलोकित हो उठा है.

44 घंटे तक सतत दर्शन: महाशिवरात्रि महापर्व पर भगवान महाकाल के पट लगभग 44 घंटे तक दर्शनार्थ खुले रहेंगे. 15 फरवरी की प्रात: 2.30 बजे मंगल पट खुलें और भस्म आरती संपन्न हुई. इसके बाद दद्योदक आरती, भोग आरती एवं विभिन्न शासकीय पूजन-अभिषेक संपन्न होंगे. सायंकाल विशेष पूजन के बाद नित्य संध्या आरती होगी.

दिन में होगी भस्म आरती : 16 फरवरी को विशेष भस्म आरती एवं भोग आरती के साथ शिवनवरात्रि का पारायण होगा. वर्ष भर में शिवरात्रि के अगले दिन ही एक मात्र ऐसा दिन होता है जब भस्मआरती रात्रि की बजाय दिन में होती है. भगवान को चढ़ाए जाने वाला सेहरा भक्तों में बांटा जाएगा. इसके पश्चात पंचमुखारविन्द के दुर्लभ दर्शन के साथ महापर्व का समापन होगा.

सुलभ दर्शन और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था: महाशिवरात्रि पर संभावित विशाल श्रद्धालु संख्या को देखते हुए जिला प्रशासन और मंदिर समिति द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए हैं. दर्शन व्यवस्था को सुगम और व्यवस्थित बनाने हेतु विशेष प्रवेश एवं निकास मार्ग निर्धारित किए गए हैं. सुरक्षा के व्यापक इंतजाम, अतिरिक्त पुलिस बल, सीसीटीवी निगरानी एवं चिकित्सा सहायता केंद्र भी स्थापित किए गए हैं.

बस से विशेष दर्शन व्यवस्था: 15 फरवरी को मीडिया प्रतिनिधियों के लिए विशेष दर्शन व्यवस्था की गई है. दोपहर 2 बजे से प्रेस क्लब उज्जैन, ग्रैंड होटल उज्जैन और मन्नत गार्डन पार्किंग से बस सुविधा उपलब्ध रहेगी. श्रद्धालुओं को भी निशुल्क बस के माध्यम से यात्रा कराई जाएगी. हरी फाटक स्मार्ट पार्किंग से लगाकर कर्कराज पार्किंग चार धाम तक यात्रियों को लाने ले जाने में 10 बसे संलग्न रहेगी. कर्कराज पार्किंग से ही श्रद्धालुओं को महाकाल मंदिर में प्रवेश करने की व्यवस्था रखी गई है.

एकादशी रूद्र पाठ और अभिषेक

शनिवार की रात्रि 10 .30 बजे से सम्पूर्ण रात्रि तक महाअभिषेक पूजन प्रारंभ हुआ, जिसमें 11 ब्राह्मणों द्वारा एकादश रुद्रपाठ के साथ अभिषेक किया गया, पंचामृत, गंगाजल, केसर मिश्रित दूध, भांग एवं विविध फलों के रस से अभिषेक के पश्चात भगवान का दिव्य श्रृंगार हुआ, चंद्र मुकुट, त्रिपुंड, छत्र एवं पुष्प मुकुट (सेहरा) से अलंकृत कर आरती की गई . आज दिन भर बाबा महाकाल के दर्शन करेंगे श्रद्धालु .

एक नजर में

धूमधाम से निकलेगी शिव बारात

घट्टिया। शिवरात्रि महापर्व पर रविवार को चार भुजा ग्रुप के तत्वावधान में चारभुजा नाथ मंदिर प्रांगण से आकर्षक शिव बारात डीजे की धुन पर नाचते-गाते धूमधाम से निकाली जाएगी। नगर भ्रमण कर बारात मनकामेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी। जहां महाकाल ग्रुप द्वारा बारात का स्वागत कर अगवानी की जाएगी। इसके साथ महाआरती कर खीर प्रसाद वितरण किया जाएगा।

महाविद्यालय विकास में अहम कड़ी के रूप में योगदान दें छात्राएं :श्रीराम

उज्जैन। छात्राएं अपने उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ें और महाविद्यालय विकास में एक अहम कड़ी के रूप में अपना योगदान सर्वदा अपनी मातृ संस्था को देती रहें। ये उद्गार मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार श्रीराम तिवारी ने शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उज्जैन के तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव अनुगूंज 2026 के समापन समारोह में व्यक्त किए। वार्षिकोत्सव का समापन अंतिम दिवस युगल एवं समूह नृत्य प्रतियोगिताओं के रंगारंग आयोजन के साथ हुआ। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्य परिषद सदस्य और वरिष्ठ पत्रकार राजेश सिंह कुशवाह, शिप्रा लोक संस्कृति के अध्यक्ष नरेश शर्मा, माधव विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश व्यास, सम्राट विक्रमादित्य शोधपीठ के एकेडमिक निदेशक डॉ. रमन सोलंकी एवं राष्ट्रीय कवि दिनेश दिग्गज उपस्थित रहे।विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राजेश सिंह कुशवाह ने कहा कि वार्षिकोत्सव का समय विश्वविद्यालय परीक्षाओं के पूर्व स्वयं को रिलैक्स करने का समय होता है, जिससे वे परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन कर पाएं। वहीं राष्ट्रीय कवि दिनेश दिग्गज ने छात्राओं का आह्वान किया कि उन्हें जड़ों से जुड़ा रहकर संस्कारों को जीवित रखना है, क्योंकि नई पीढ़ी गढ़ने में उनका अहम योगदान होने वाला है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. प्रशांत पुराणिक ने कहा कि वार्षिक स्नेह सम्मेलन विद्यार्थियों में संस्था के प्रति अपनेपन की भावना विकसित करने के साथ उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करने का एक सुअवसर होता है। समारोह में डॉ. उज्ज्वला बाबर ने स्नातक स्तर पर गणित विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा आस्था बैरागी को डॉ. शेखर बाबर स्मृति रजत पदक प्रदान किया। इसके साथ ही ग्राम नाटाराम (राजगढ़) की राष्ट्रीय एथलीट एवं पर्वतारोही आशा मालवीय का भी सम्मान किया गया। जिन्होंने पूरे भारत में 6000 किलोमीटर की साइकिल यात्रा की है। पुरस्कार वितरण समारोह में मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाली, खेलकूद, साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं इको क्लब द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं की विजेता छात्राओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। इससे पूर्व संगीत विभाग की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। छात्रसंघ एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. रश्मि भार्गव ने स्वागत भाषण एवं वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना अखंड ने किया और आभार डॉ. संगीता कार्लेकर ने माना।

विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्धघुमन्तु जातियों के सर्वेक्षण का कार्य जारी

उज्जैन। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, जिला उज्जैन द्वारा विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्धघुमन्तु जातियों के व्यापक सर्वेक्षण कार्य को प्राथमिकता के साथ प्रारंभ कर दिया गया है। यह सर्वेक्षण मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेशभर में संचालित एक महत्वपूर्ण पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य इन समुदायों की वास्तविक सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक स्थिति का सटीक आकलन करना है। जिले में यह कार्य कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस उमट के मार्गदर्शन में व्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है। चयनित व प्रशिक्षित सर्वेक्षण कर्ताओं के द्वारा सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा है। प्रशासनिक स्तर पर इस अभियान की सतत निगरानी की जा रही है ताकि पारदर्शी, व्यवस्थित एवं समयबद्ध ढंग से सर्वेक्षण पूर्ण किया जा सके। मप्र जन अभियान परिषद, जिला उज्जैन द्वारा 1 फरवरी 2026 से जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर सर्वेक्षण प्रारंभ किया गया है। इसके लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित सर्वे दलों का गठन किया गया है, जो निर्धारित प्रारूप के अनुसार प्रत्येक परिवार से विस्तृत जानकारी संकलित कर ऑन लाईन समर्थ पोर्टल पर एंट्री की जा रही हैं। सर्वेक्षण का उद्देश्य-विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्धघुमन्तु समुदायों की सामाजिक स्थिति का आकलन, शिक्षा स्तर एवं स्कूल/कॉलेज में नामांकन की स्थिति का विश्लेषण, रोजगार, आय एवं आजीविका के साधनों की जानकारी संकलित करना,आवास, स्वास्थ्य एवं मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता का विवरण तैयार करना, शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु पात्र हितग्राहियों की पहचान करना, संकलित आंकड़ों के आधार पर शासन भविष्य में इन समुदायों के उत्थान हेतु लक्षित योजनाओं का निर्माण एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर सकेगा।, सटीक आंकड़ों से सशक्त नीति निर्माण सर्वेक्षण के माध्यम से प्राप्त जानकारी शासन को जमीनी स्तर की वास्तविक स्थिति से अवगत कराएगी, जिससे नीति निर्माण अधिक प्रभावी एवं समावेशी हो सकेगा। इससे यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र परिवार शासन की योजनाओं से वंचित न रहे।

प्रेमचंद कालजयी और विश्व कथाकार हैं : प्रो . शर्मा

उज्जैन। भारत की जो ज्ञान प्रज्ञा है, हमारी जो निष्ठाएं हैं या हमारी जो परम्पराएं हैं, वे कैसे निर्णय लेती हैं, इसके लिए ऑपरेशन सिन्दूर को जानना जरुरी है कि हम आतंकवाद को ख़त्म करना चाहते हैं, किसी देश को नहीं।

यह विचार प्रेमचंद सृजन पीठ द्वारा साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद, मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग के तत्वावधान में कालिदास अकादमी में प्रेमचंद कथासागर के अनछुए किनारे और उनकी कहानी जिहाद के संदर्भ में आयोजित व्याख्यान में मुख्य अतिथि प्रख्यात आलोचक और वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. बीएल आच्छा (चेन्नई) ने व्यक्त किए। आपने कहा कि हमारी ज्ञान परम्परा सींखचों में बंधी नहीं है। पठन-पाठन के लिए अंतत: लेखकीय विवेक ही काम करता है। बिना लेखकीय विवेक के प्रेमचंद की इस कहानी जिहाद को

समझना मुश्किल है। अध्यक्षीय व्याख्यान में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलानुशासक एवं प्रसिद्ध समालोचक प्रो. शैलेन्द्रकुमार शर्मा ने कहा कि प्रेमचंद सही अर्थों में साधारणता में असाधारणता के कथाकार हैं। उनकी दुनिया बहुत व्यापक है। प्रेमचंद सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं लिखते थे। वे कालजयी और विश्व कथाकार हैं। प्रेमचंद को किसी अलंकरण की जरूरत नहीं है क्योंकि वे स्वयं अलंकार हैं। प्रेमचंद अद्वितीय हैं, पूरी दुनिया में प्रेमचंद की कोटि का कोई कथाकार दिखाई नहीं देता जो भारतीय संस्कृति, सभ्यता और राष्ट्रीयता के उच्चतम मूल्यों को लेकर लेखन करता हो। वे जगाने का कार्य भी करते हैं। प्रेमचन्द की पीड़ा महाकवि कालिदास की पीड़ा है क्योंकि बाहरी हमले हम शताब्दियों से झेलते आ रहे हैं।

प्रमुख वक्ता डॉ. रमेशचन्द्र चतुर्वेदी (गुजरात) ने कहा कि मजहब का अक्ल से, विवेक से कोई वास्ता नहीं होता और धर्मांध होकर वे कुछ भी कर सकते हैं, जबकि हमारी भारतीय संस्कृति का मूल क्षमाशीलता और सहिष्णुता है। डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि यदि यही विपुल साहित्य प्रेमचंद ने अंग्रेजी में लिखा होता तो वे दुनिया भर में पूजे जाते। जिहाद कहानी सिर्फ सम्प्रदायवाद के खिलाफ कहानी नहीं, उसमें हमारी ज्ञान परम्परा भी है। सारस्वत अतिथि कालिदास अकादमी के निदेशक डॉ. गोविन्द गंधे ने कहा कि प्रेमचंद गद्य के उपासक थे। मां वाग्देवी और प्रेमचंद के चित्र पर माल्यार्पण और दीप आलोकन अतिथि प्रो. बी.एल. आच्छा, डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा, मुकेश जोशी, डॉ. रमेशचन्द्र चतुर्वेदी, डॉ. गोविन्द गंधे, डॉ. साधना बलवटे, आचार्य शैलेन्द्र पाराशर, डॉ. रमण सोलंकी एवं डॉ. हरीशकुमार सिंह ने किया।

अतिथि स्वागत मुकेश जोशी, डॉ. राजेश रावल, डॉ. पिलकेंद्र अरोरा, महेश ज्ञानी, विवेक चौरसिया, शशांक दुबे, संतोष सुपेकर, सतीश दवे, सुरेन्द्र सर्किट, डॉ. पांखुरी वक्त, डॉ. अभिलाषा शर्मा, सीमा देवेन्द्र आदि ने किया। डॉ. अनामिका सोनी के राष्ट्रगीत वन्दे मातरम गायन से व्याख्यान का शुभारम्भ हुआ। सरस्वती वंदना सीमा देवेन्द्र ने प्रस्तुत की।

आयोजन में डॉ. प्रशांत पुराणिक, अंतर्राष्ट्रीय कवि दिनेश दिग्गज, डॉ. उर्मि शर्मा, पूर्व न्यायाधीश शशिभूषण श्रीवास्तव, शांतिलाल जैन, शैलेन्द्र व्यास, अशोक भाटी, डॉ. श्वेता पंडया, पंकज चांदोरकर, प्रकाश देशमुख, सुगनचंद जैन, डॉ. अरविंद जैन, डॉ. संतोष पंड्या, अजय मेहता, उद्धव जोशी, डॉ. मोहन मुकुल, विक्रम विवेक, डॉ. माया वदेका, डॉ. नेत्रा रावणकर, मीरा जैन, संगीता तल्लेरा, राजेंद्र नागर, राजेंद्र जैन, केशव पंड्या, दिलीप जैन, धनसिंह चौहान, राहुल शर्मा, अनिल पांचाल सेवक, प्रबोध पंड्या, दीपक सोनी, वरिष्ठ मालवी कवि अशोक नागर, डॉ. अजय शर्मा, मानसिंह खराड़ी, अशोक महाजन, महेश त्रिवेदी, कमलेश रावल, प्रतिभा रावल एवं सम्राट विक्रमादित्य विवि के स्कोलार्स और विद्यार्थी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे। संचालन डॉ. हरीशकुमार सिंह ने किया और आभार प्रेमचंद सृजन पीठ के निदेशक मुकेश जोशी ने व्यक्त किया।

माता-पिता की सेवा करने से संतान पर सदैव ईश्वर की कृपा बनी रहती है : पं . पाराशर

उन्हेल। मनकामेश्वर महादेव महिला मंडल एवं सर्व महिला मंडल, उन्हेल के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में कथा वाचक पं. हरि ओम पाराशर के श्रीमुख से विभिन्न दिव्य अवतारों एवं लीलाओं का अत्यंत भावपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक वर्णन किया गया। कथा के दौरान नरसिंह अवतार का मार्मिक प्रसंग एवं उसका सजीव नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत किया गया। जिसमें भगवान श्रीहरि द्वारा भक्त प्रहलाद की रक्षा हेतु खंभे से प्रकट होकर हिरण्यकशिपु का संहार करने की लीला का मंचन हुआ।

इस अद्भुत दृश्य को देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और संपूर्ण परिसर जयकारों से गूंज उठा। इसी क्रम में वामन अवतार का प्रेरणादायी प्रसंग सुनाते हुए भगवान विष्णु द्वारा वामन रूप धारण कर राजा बलि से तीन पग भूमि मांगकर धर्म और मर्यादा की स्थापना का संदेश दिया गया। कथा में वासुदेव-देवकी प्रसंग, श्रीकृष्ण जन्म एवं यशोदा मैया के वात्सल्य की मनोहारी झांकियों ने भक्तों को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। श्रीकृष्ण जन्म की झांकी के समय वातावरण नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर गुरुदेव ने माता-पिता की महिमा का भी अत्यंत भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि माता-पिता ही संतान के प्रथम गुरु होते हैं। उनकी सेवा और सम्मान से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि प्राप्त होती है तथा जो संतान माता-पिता की सेवा करती है, उस पर सदैव ईश्वर की कृपा बनी रहती है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बहादुर सिंह बोरमुंडला, नगर परिषद अध्यक्ष शांतिलाल हल्कारा एवं उपाध्यक्ष अखिलेश उपाध्याय, द्वारकाधीश सोनी, साथ ही श्रीमद् भागवत कथा समिति के सचिन पाटनी, राधेश्याम नांदेड़ा, वैभव जैन, गोपाल टंडन, दीपक मंडवलिया, राजेश धाकड़, ललित भंतु, सुरेश सांखला, जियाजी आबार, संदीप मेहता, रामलाल नांदेड़ा, अनिल जैन, संजय जैन, आलोक पाठक, राजेश जायसवाल, दिनेश पटेल, योगेश ठाकुर, डॉ. अरुण सोनी, डॉ. जितेंद्र परमार, दीपक नांदेड़ा, सरवन सिंह ठाकुर, आकाश वर्मा, पवन साखला, संजय गहलोत, राहुल सोनी, नितेश जैन लाला, डॉ. राकेश पांचाल एवं टीकम सिंह देवड़ा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। महिला मंडल द्वारा आयोजित इस भव्य धार्मिक आयोजन की नगरवासियों ने सराहना की। कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति, संस्कार और पारिवारिक मूल्यों की प्रेरणा मिल रही है। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से कथा में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया है।

हृदय और कैंसर जैसे रोगों की होगी जांच

उज्जैन। संकल्प से समाधान अभियान के तहत लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, जिला प्रशासन और पूर्णिमाश्री सेवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में बड़नगर ब्लॉक के विभिन्न स्थानों पर नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। इन शिविरों में हृदय रोग, नेत्र रोग और ब्रेस्ट कैंसर का परीक्षण किया जाएगा, साथ ही मौके पर आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी भी बनाई जाएगी।

बीईई दिनेश कुमार पंचोली व हेल्थ सुपरवाइजर मो. रफीक मंसूरी ने बताया कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उपलब्धियों भरे ऐतिहासिक दो वर्ष के उपलक्ष्य में विधायक जितेंद्र सिंह पंड्या के नेतृत्व में, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल के दिशा-निर्देश पर और ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. विजेंद्र सिंह अजनार के मार्गदर्शन में इन शिविरों का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। ग्रामीण जनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ब्लॉक के अलग-अलग गांवों में शिविर लगाए जाएंगे।

हेल्थ सुपरवाइजर एम आर मंसूरी एवं नारायण शर्मा के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इंगोरिया में अभियान की सफलता को लेकर बड़नगर ब्लॉक के समस्त सेक्टर की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समस्त चिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वे इन शिविरों के प्रति ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक जागरूकता फैलाएं, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग स्वास्थ्य लाभ ले सकें।

विधानसभा संयोजक विराग मिश्रा और शांतिलाल गोखरू के समन्वय में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 16 फरवरी को सिविल हॉस्पिटल, बड़नगर में शिविर लगेगा जिसके संयोजक लोकेन्द्र सिंह पंवार होंगे। 17 फरवरी को चामुंडा माता मंदिर गजनिखेड़ी, रूनिजा में लगेगा जिसके संयोजक सुनील यादव रहेंगे। 18 फरवरी को सरस्वती शिशु मंदिर, पीपलू संयोजक राजेन्द्र नागर, दशरथ जायसवाल, 21 फरवरी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, भाटपचलाना संयोजक हुकुमचंद चौधरी, भैरुलाल, 28 फरवरी को आनंदीलाल का मकान, बंग्रेड संयोजक मुन्ना नागर, 9 मार्च सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, इंगोरिया संयोजक गणपत सिंह, विक्रम सिंह डाईजी, 13 मार्च को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, खरसोदकलां संयोजक पंकज बारिया रहेंगे। वहीं जहांगीरपुर पंचायत भवन में शासकीय आयुर्वेदिक हॉस्पिटल संयोजक: इन्द्रपाल पंड्या रहेंगे। स्वास्थ्य विभाग और पूर्णिमाश्री सेवा संगठन ने क्षेत्र के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी नजदीकी स्वास्थ्य संस्था पर पहुंचकर इन नि:शुल्क शिविरों का लाभ उठाएं।

कांग्रेस संगठन की पंचायत समिति का गठन किया

घट्टिया। संगठन सृजन अभियान के माध्यम से नगर घट्टिया में ब्लॉक अध्यक्ष लोकेंद्र सिंह पवार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीर सिंह राणा, दरबार सिंह सोलंकी के नेतृत्व में पंचायत समिति का गठन किया। जिसमें सर्व सम्मति से सुरे सिंह पंवार का अध्यक्ष पद के लिए मनोनयन किया गया। पंचायत समिति के सदस्य के रूप में स्थानीय बिहारी लाल मंडलोई, सौदान सिंह पंवार, रेणुका गांधी, लक्ष्मी नारायण परमार, कनीराम मालवीय, सुमेर सिंह मकवाना, राहुल कछावा, महेन्द्र सिंह पंवार, अरशद पठान, कालू बाबा गरासिया, हरलाल मालवीय, रमेश मकवाना, जीतेन्द्र खंडवी, यूथ कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र रंगवाल शामिल रहे। सभी सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई। जिससे आने वाले समय में कांग्रेस को हर बूथ पर मजबूती मिलेगी। जय कांग्रेस विजय कांग्रेस के उद्घोष के साथ पंचायत समिति गठन कार्यक्रम का समापन हुआ।

एक नजर | मिलेट फेस्ट' में विद्यार्थियों ने बिखेरे जायके

माधव विज्ञान महाविद्यालय में इको क्लब की गतिविधियों का समापन

उज्जैन। शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय (पीएमसीओई) में सत्र 2025-26 के अंतर्गत इको क्लब द्वारा पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता को लेकर आयोजित तीन माह (दिसंबर 2025 से फरवरी 2026) के विशाल कार्यक्रम का 11 फरवरी को मिलेट फेस्ट के साथ भव्य समापन हुआ। यह सभी आयोजन एप्को भोपाल और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में संपन्न हुए।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश व्यास एवं इको क्लब संयोजक डॉ. मनमीत कौर मक्कड़ के मार्गदर्शन में आयोजित इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को कौशल विकास और पर्यावरण संवर्धन का पाठ पढ़ाया गया।

मशरूम उत्पादन और वर्मीकम्पोस्ट का प्रशिक्षण: छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से डॉ. जीवन सिंह सोलंकी के मार्गदर्शन में 18 से 24 दिसंबर तक मशरूम उत्पादन पर सात दिवसीय

कार्यशाला हुई। वहीं, डॉ. हर्षद शर्मा के निर्देशन में तीन सप्ताह तक चले वर्मीकम्पोस्ट प्रशिक्षण में 50 विद्यार्थियों ने जैविक खाद बनाने की विधि सीखी। इको क्लब की ओर से प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप पेन, लेटर पैड, कैप और बैज प्रदान किए गए।

प्रतियोगिताओं और योग से युवा हुए जागरूक: 6 से 9 जनवरी के मध्य पर्यावरण जागरूकता पर आधारित स्लोगन लेखन, क्विज, रंगोली, गमला सजाओ और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं हुई। जिनमें विजेताओं को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। 12 जनवरी (युवा दिवस) पर डॉ. प्रमिला बघेल के मार्गदर्शन में अर्पिता अंजना द्वारा 60 विद्यार्थियों को योग का विशेष प्रशिक्षण दिया। इसके पूर्व 29 दिसंबर को वीर बाल दिवस भी मनाया गया।

मिलेट फेस्ट : 'गरीबों का भोजन अब अमीरों की पसंद'

कार्यक्रमों की श्रृंखला का समापन 11 फरवरी को भव्य मिलेट फेस्ट के साथ हुआ। मुख्य अतिथि स्कूल ऑफ स्टडी में माइक्रो बायोलॉजी एचओडी डॉ . अलका व्यास ने मोटे अनाज (मिलेट्स) के औषधीय और पोषण महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ . हरीश व्यास ने अपने संबोधन में कहा कि कभी गरीबों का भोजन कहा जाने वाला मोटा अनाज, आज स्वास्थ्य के प्रति जागरूक अमीरों की थाली का मुख्य हिस्सा बन गया है। मेले में विद्यार्थियों ने घर से बने मिलेट के स्वादिष्ट व्यंजन बेचे। इस अवसर पर डॉ . राजेंद्र तिवारी, डॉ . मंगल, डॉ . स्वेता पोरवाल, डॉ . प्रमिला बघेल, डॉ . पुष्पा जाटवा, डॉ . सुचिता चांदोरकर, डॉ . नितिन पटेल, डॉ . साहू, डॉ . अमरीश गुप्ता, डॉ . मीना सोनी, डॉ . मेघा चौरे, डॉ . कोमल, डॉ . सुरभि एवं श्री राकेश पोरवाल सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।